I.C.S.E

कक्षा : IX

हिन्दी

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.

You will not be allowed to write during the first 15 minutes.

This time is to be spent in reading the question paper.

The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers

---

This Paper comprises of two sections; ***Section A*** *and* ***Section B.***

Attempt ***All*** *the questions from* ***Section A.***

Attempt any ***four*** *questions from* ***Section B****, answering at least* ***one*** *question each from the* ***two*** *books you have studied and any* ***two*** *other questions.*

The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION – A (40 Marks)

Attempt all questions

Q.1 Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics: [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए :

1. ऐसा माना जाता है कि मानव जीवन का का स्वर्ण काल उसका बचपन ही होता है। बचपन की उन्हीं मधुर स्मृतियों का वर्णन करते हुए प्रस्ताव लिखें।
2. मनुष्य के व्यक्तित्व के चहुँमुखी विकास में खेल-कूद की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है इस आधार पर जीवन में खेलों का महत्त्व इस विषय पर प्रस्ताव लिखें।

3. भारत में वर्षा ऋतु एक बेहद ही महत्वपूर्ण ऋतु है। इस आधार पर वर्षा ऋतू पर प्रस्ताव लिखें।
4. एक कहानी लिखिए, जिसका आधार निम्नलिखित उक्ति हो :

   'जहाँ सुमति तहँ संपति नाना; जहाँ कुमति तहाँ बिपति निदाना'।
5. नीचे दिये गये चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट सम्बन्ध चित्र से होना चाहिए।

Q.2 Write a letter in Hindi in approximately 120 Words on any one of the topics given below: [7]

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए :

(i) मोहल्ले में सार्वजनिक नल लगवाने के लिए नगर-निगम के अधिकारी को आवेदन पत्र लिखें।

(ii) विद्यालय की शैक्षिक यात्रा का वर्णन करते हुए माताजी को पत्र लिखें।

Q.3 Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible: [10]

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए:

मेरे मकान के आगे चौराहे पर ढाबे के आगे फुटपाथ पर खाना खाने वाले लोग बैठते हैं - रिक्शेवाले, मजदूर, फेरीवाले, कबाड़ी वाले। आना-जाना लगा ही रहता है। लोग कहते हैं - "आपको बुरा नहीं लगता? लोग सड़क पर गंदगी फैला रहे हैं और आप इन्हें बरदाश्त कर रहे हैं? इनके कारण पूरे मोहल्ले की आबोहवा खराब हो रही है।" मैं उनकी बातों को हल्के में ही लेता हूँ। मुझे पता है कि यहाँ जो लोग जुटते हैं वे गरीब लोग होते हैं। अपने काम-धाम के बीच रोटी खाने चले आते हैं और खाकर चले जाते हैं। ये आमतौर पर बिहार से आए गरीब ईमानदार लोग हैं जो हमारे इस परिसर के स्थायी सदस्य हो गए हैं। ये उन अशिष्ट अमीरों से भिन्न हैं जो साधारण-सी बात पर भी हंगामा खड़ा कर देते हैं। लोगों के पास पैसा तो आ गया पर धनी होने का स्वर नहीं आया। अधजल गगरी छलकत जाए की तर्ज पर इनमें दिखावे की भावना उबल खाती है। असल में यह ढाबा हमें भी अपने माहौल से जोड़ता है। मैं लेखक हूँ तो क्या हुआ? गाँव के एक सामान्य घर से आया हुआ व्यक्ति हूँ। बचपन में गाँव-घरों की गरीबी देखी है और भोगी भी है। खेतों की मिट्टी में रमा हूँ, वह मुझमें रमी है। आज भी उस मिट्टी को झाड़झुड कर भले ही शहरी बनने की कोशिश करता हूँ, बन नहीं पाता। वह मिट्टी बाहर से चाहे न दिखाई दे, अपनी महक और रसमयता से वह मेरे भीतर बसी हुई है। इसीलिए मुझे मिट्टी से जुड़े ये तमाम लोग भाते हैं। इस दुनिया में कहा-सुनी होती है, हाथापाई भी हो जाती है लेकिन कोई किसी के प्रति गाँठ नहीं बाँधता। दूसरे-तीसरे ही दिन परस्पर हँसते-बतियाते और एक-दूसरे के दुःख-दर्द में शामिल होते दिखाई पड़ते हैं। ये सभी कभी-न-कभी एक-दूसरे से लड़ चुके हैं लेकिन कभी प्रतीत नहीं होती कि ये लड़ चुके हैं। कल के गुस्से को अगले दिन धूल की तरह झाड़कर फेंक देते हैं।

1. लेखक लोगों की शिकायत हल्के में क्यों लेता है? [2]
2. साधारण-सी बात पर भी हंगामा कौन खड़ा कर देते हैं? [2]
3. 'इस दुनिया में कहासुनी होती है' से तात्पर्य स्पष्ट करें। [2]

4. लेखक को मिट्टी से जुड़े तमाम लोग क्यों भाते हैं? [2]

5. उपर्युक्त गद्यांश को उचित शीर्षक दीजिए। [2]

Q. 4 Answer the following according to the instructions given:

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए:

1. निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए: [1]
   - सुख
   - प्रथम

2. निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए: [1]
   - सड़क
   - मिट्टी

3. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए: [1]
   - अशिष्ट
   - शहरी
   - बुरा
   - गरीब

4. भाववाचक संज्ञा बनाइए: [1]
   - शहर
   - गरीब

5. निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक की सहायता से वाक्य बनाइए: [1]
   - हंगामा खड़ा करना
   - मन-मसोस कर रह जाना

6. कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए:

(a) अन्ना हजारे ने सरकार का लोकपाल बिल मानने से इनकार कर दिया। (रेखांकित शब्द का विपरीतार्थक शब्द लिखिए) [1]

(b) वह दुश्मन की सेना पर टूट पड़ा। ('टूट पड़ा' के साथ पर 'हमला किया' का प्रयोग कीजिए) [1]

(c) देखते ही देखते लोगों के जादूगर के हाथ का फूल गायब हो गया। (वाक्य को शुद्ध करें) [1]

SECTION - B (40 Marks)

Attempt four questions from this section.

You must answer at least **one** question from each of **two** books you have studied and any **two** other questions.

(**साहित्य सागर गद्‌य**)

Q.5 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्‌यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

"मुझे तो तेरे दिमाग के कन्फ्यूजन का प्रतीक नज़र आ रहा है,बिना मतलब जिंदगी खराब कर रही है।"

पाठ - दो कलाकार

लेखिका - मन्नू भंडारी

1. उपर्युक्त अवतरण की वक्ता और श्रोता का परिचय दें। [2]
2. चित्रा का अरुणा को नींद में से जगाने का क्या उद्देश्य है? [2]
3. अरुणा ने चित्र को घनचक्कर क्यों कहा? [3]
4. चित्रा ने उस चित्र को किसका प्रतीक कहा और क्यों? [3]

Q.6 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

भेड़िया चिढ़कर बोला, "कहाँ की आसमानी बातें करता है? अरे, हमारी जाति कुल दस फीसदी है और भेड़ें तथा अन्य छोटे पशु नब्बे फीसदी। भला वे हमें काहे को चुनेंगे। अरे, जिंदगी अपने को मौत के हाथ सौंप सकती है? मगर हाँ, ऐसा हो सकता, तो क्या बात थी!"

पाठ - भेड़ और भेड़िये

लेखक - हरिशंकर परसाई

1. भेड़ियों ने यह क्यों सोचा कि अब संकटकाल आ गया है? [2]
2. प्रस्तुत अवतरण में भेड़ें और भेड़िये किसका प्रतीक हैं? [2]
3. सियार ने भेड़ियों को सरकस में जाने की सलाह क्यों दी? [3]
4. भेड़ियों ने बूढ़े सियार की बात मानने का निश्चय क्यों किया? [3]

Q 7 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

रामनिहाल हत बुद्धि अपराधी - श्यामा को देखने लगा, जैसे उसे कहीं भागने की राह न हो।

पाठ - संदेह

लेखक - जयशंकर प्रसाद

1. रामनिहाल ने श्यामा क्या बताया? [2]
2. रामनिहाल किस संदेह से ग्रसित था? [2]
3. रामनिहाल हत बुद्धि क्यों हो गया? [3]
4. अंत में श्यामा ने रामनिहाल को क्या सुझाव दिया? [3]

(साहित्य सागर पद्य)

Q.8 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

ऐसो को उदार जग माहीं।
बिनु सेवा जो द्रवै दीन पर राम सरिस कोउ नाहीं॥
जो गति जोग विराग जतन करि नहिं पावत मुनि ज्ञानी।
सो गति देत गीध सबरी कहूँ प्रभु न बहुत जिय जानी॥
जो सम्पत्ति दस सीस अरप करि रावन सिव पहँ लीन्ही।
सो सम्पदा विभीषण कहँ अति सकुच सहित प्रभु दीन्ही॥
तुलसीदास सब भाँति सकल सुख जो चाहसि मन मेरो।
तौ भजु राम, काम सब पूरन कर कृपानिधि तेरो॥

कविता-विनय के पद
कवि-तुलसीदास

1. प्रस्तुत पद में किसकी बात की जा रही है? वह कैसे उदार हैं?। [2]
2. गीध और सबरी कौन थे? भगवान ने उनका उद्धार किस प्रकार किया? [2]
3. भगवान राम ने विभीषण के प्रति किस प्रकार उदारता दिखाई? [3]
4. तुलसीदास सब भाँति सकल सुख जो चाहसि मन मेरो। तौ भजु राम, काम सब पूरन कर कृपानिधि तेरो॥-इन पंक्तियों की व्याख्या कीजिए। [3]

Q.9 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

वह जन्मभूमि मेरी, वह मातृभूमि मेरी।
ऊँचा खड़ा हिमालय आकाश चूमता है,
नीचे चरण तले झुक, नित सिंधु झूमता है।
गंगा यमुना त्रिवेणी नदियाँ लहर रही हैं,

जगमग छटा निराली पग-पग छहर रही है।
वह पुण्य भूमि मेरी, वह स्वर्ण भूमि मेरी।
कविता - वह जन्मभूमि मेरी
कवि - सोहनलाल द्विवेदी

1. कवि किस भूमि की बात कर रहा है? [2]
2. कवि ने हिमालय के बारे में क्या कहा है? [2]
3. त्रिवेणी नदियों के नाम लिखिए। [3]
4. शब्दार्थ लिखिए : मातृभूमि, सिंधु, नित, पुण्य भूमि, आकाश, छटा [3]

Q.10 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

गुरु गोबिंद दोऊ खड़े, काके लागू पायँ।
बलिहारी गुरु आपनो, जिन गोबिंद दियौ बताय॥
जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाहि।
प्रेम गली अति साँकरी, तामे दो न समाहि॥

कविता - साखी
कवि - कबीरदास

1. कवि किसके बारे में क्या सोच रहे हैं? [2]
2. कवि किसके ऊपर न्योछावर (समर्पण) हो जाना चाहते हैं तथा क्यों? [2]
3. ईश्वर का वास कहाँ नहीं होता है? कवि हमें क्या त्यागने की प्रेरणा दे रहे हैं? कवि का संक्षिप्त परिचय देते हुए बताइए। [3]
4. साँकरी शब्द का क्या अर्थ है? प्रेम गली से कवि का क्या तात्पर्य है? उसमें कौन दो एक साथ नहीं रह सकते हैं समझाइए। [3]

एकांकी संचय

Q.11 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

अपराध और किसका है। सब मुझी को दोष देते हैं। मिसरानी कह रही थी बहू किसी की भी हो, पर अपने प्राण देकर उसने पति को बचा लिया।

एकांकी - संस्कार भावना

लेखक - विष्णु प्रभाकर

1. यहाँ पर किसके कौन-से अपराध की बात हो रही है? [2]
2. माँ ने अविनाश की बहू को क्यों नहीं अपनाया? समझाकर लिखिए। [2]
3. बहू ने किसे और किस बीमारी से प्राण देकर बचा लिया? [3]
4. अविनाश की वधू का चरित्र-चित्रण कीजिए। [3]

Q.12 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

पहाड़ बनने से क्या होगा? राजमहल पर बोझ बनकर रह जाओगी, बोझ! और नदी बनो तो तुम्हारा बहता हुआ बोझ पत्थर भी अपने सिर पर धारण करेंगे, आनंद और मंगल तुम्हारे किनारे होंगे, जीवन का प्रवाह होगा, उमंगों की लहरें होंगी, जो उठने में गीत गाएँगी, गिरने में नाच नाचेंगी।

एकांकी - दीपदान

लेखक - डॉ. रामकुमार वर्मा

1. यहाँ किसे पहाड़ कहा गया है? क्यों? [2]
2. श्रोता कौन है? [2]
3. उपर्युक्त कथन किसने किससे कहा? इसका अर्थ स्पष्ट कीजिए। [3]

4. 'तुम्हारा बहता हुआ बोझ पत्थर भी अपने सिर पर धारण करेंगे' का क्या तात्पर्य है? [3]

Q.13 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

जिस कालाग्नि को तूने वर्षों घृत देकर उभारा है, उसकी लपटों में साथी तो स्वाहा हो गए! उसके घेरे से तू क्यों बचना चाहता है? अच्छी तरह समझ ले, ये तेरी आहुति लिए बिना शांत न होगा।

एकांकी - महाभारत की एक साँझ

लेखक - भारत भूषण अग्रवाल

1. दुर्योधन अपनी प्राण रक्षा के लिए क्या करता है? [2]
2. उपर्युक्त कथन किसका का है? कथन का संदर्भ स्पष्ट करें। [2]
3. उपर्युक्त कथन का दुर्योधन ने युधिष्ठिर को क्या उत्तर दिया? [3]
4. 'घृत देकर उभारा है' से क्या तात्पर्य है स्पष्ट करें। [3]

नया रास्ता

(सुषमा अग्रवाल)

Q.14. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

यह कैसी विचित्र घड़ी होती है। माता-पिता जिस बेटी का लालन-पालन इतने वर्षों तक लाड़-प्यार करते हैं, उसी बेटी को सदा के लिए दूसरे के हाथों में सौंप देते हैं। हर पल रहने वाली बिटिया के लिए वह घर पराया हो जाता है। घर ही क्या, बिटिया भी तो पराया धन ही हो जाती है।

1. यहाँ विचित्र घड़ी से क्या उद्देश्य है? [2]
2. किसका विवाह हो रहा है? [2]

3. वर्षों के लाड़-प्यार के बाद लड़की को बिछुड़ना क्यों पड़ता है? [3]

4. 'बेटी पराया धन होती है' का अर्थ स्पष्ट कीजिए। [3]

Q.15. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

"भइया, मैं सच कह रही हूँ। जवान बेटियों की तो बड़ी भारी जिम्मेदारी होती है। इनकी शादी हो जाएगी तो तुझे कम-कम-से छुट्टी तो मिल जाएगी। फिर रोहित, वह तो लड़का है उसकी कोई ऐसी बात नहीं है।" बुआजी ने बहुत विश्वास के साथ कहा।

1. वह महिला कौन है और भइया को क्या समझा रही है? [2]
2. किसके विवाह की चिंता कर रही है? [2]
3. हमारे समाज में लड़के के विवाह की अपेक्षा लड़की के विवाह को आज इतना महत्त्व क्यों दिया जाता है? [3]
4. प्रस्तुत पंक्तियों के अर्थ अपने शब्दों में व्यक्त करो। [3]

Q.16. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

दूसरे दिन प्रात: होते ही दयाराम जी के घर में मेहमानों के स्वागत के लिए विभिन्न प्रकार की तैयारियाँ प्रारंभ हो गई थीं। घर की सारी चीजें झाड़-पोंछकर यथा-स्थान लगा दी गई थीं। एक मध्यम श्रेणी की हैसियत के अनुसार बैठक को विशेष रूप से सुसज्जित किया गया।

1. प्रस्तुत पंक्तियों में कौन किसके घर आ रहा है? [2]
2. आनेवाले मेहमान को विशेष महत्त्व क्यों दिया जा रहा है? [2]
3. "विभिन्न प्रकार की तैयारियाँ...." विशिष्ट संदर्भ में स्पष्ट कीजिए। [3]
4. आनेवाले मेहमान से परिवार के लोगों को क्या उम्मीद है? [3]

Solution

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.

You will not be allowed to write during the first 15 minutes.

This time is to be spent in reading the question paper.

The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers

*This Paper comprises of two sections; **Section A** and **Section B.***

*Attempt **All** the questions from **Section A.***

*Attempt any **four** questions from **Section B**, answering at least **one** question each from the **two** books you have studied and any **two** other questions.*

The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION – A (40 Marks)

Attempt all questions

Q.1 Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics: [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए :

1. ऐसा माना जाता है कि मानव जीवन का का स्वर्ण काल उसका बचपन ही होता है। बचपन की उन्हीं मधुर स्मृतियों का वर्णन करते हुए प्रस्ताव लिखें।

हम सबका बचपन तितली की तरह उड़ता, चिड़िया की तरह चहकता और गिलहरी की तरह फुदकता हुआ था। सुख और दु:ख की घनी छाँव क्या होती है, इसकी हमें खबर न थी। मनुष्य के बचपन के दिन बड़े सुनहरे होते हैं। ये वह दिन होते हैं, जिसकी मधुरता जीवनभर प्रसन्नता भरती रहती है। जब भी बचपन की तस्वीर सामने आती है ढेर सारी यादें ताज़ा हो जाती हैं। बचपन में माँ बड़ा दुलार किया करती थी। पापा रोज़ शाम को कार्यालय से आते हुए मेरे खाने के लिए कुछ न कुछ लाया करते थे। तितलियों और पतंगों को पकड़कर डिब्बे में बंद कर एक साथ छोड़ना, पतंगों के पीछे धागे बाँधना, कीचड़ से सने पैरों समेत बेधड़क घर में घुस जाना, केंचुए पर नमक छिड़ककर उसका छटपटाना देखना, कितनी बार अपने सपनों का घर बनाते तो कभी गुड्डे-गुडियों की शादी करते, कभी लड़कियों की चोटी खींचते और उन्हें परेशान करते। उस पर पापा की वो डाँट और वो अपनी की गई गलतियों पर मम्मी को मनाना, कभी बारिश में कागज़ की नाव बहाना, हमारी गेंदों का पड़ोसियों के घरों में जाना, पड़ोसियों की माता-पिता से शिकायतें न जाने क्या-क्या यादें सिमटी हुई है बचपन की।

सावन की पहली फुहार का बेताबी से इंतजार रहता था हम सबको। बूँदें धरती पर गिरी नहीं कि हथेली उसे सहेजने के लिए अपने आप ही आगे बढ़ जाती थी। कागज की कश्ती बनाना और उसे दूर तक जाते हुए देखना कितना सुखद अहसास है। छुट्टियों में हम सुबह सुबह साइकिल दुकान पहुँच जाते और साइकिलें लेकर चल देते। साइकिलों की दौड़ होती थी और ढेर सारे करतब किये जाते थे।

इस तरह बचपन की न जाने कितनी ही मधुर स्मृतियाँ आज भी मन को खुशी से भर देती है।

2. मनुष्य के व्यक्तित्व के चहुँमुखी विकास में खेल-कूद की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है इस आधार पर जीवन में खेलों का महत्त्व इस विषय पर प्रस्ताव लिखें।

मनुष्य के जीवन में आरंभ से ही खेलों का महत्त्व रहा है। खेलों के बिना मनुष्य अधूरा है। प्राचीन समय में तो उसके मनोरंजन का साधन ही खेल हुआ करते थे। स्वयं के मनोरंजन के लिए उसने विभिन्न तरह के खेलों की रचना भी की है और आगे भी करता रहा है। शरीर को स्वस्थ रखने का एक साधन खेल भी है। आज खेल शिक्षा का आवश्यक अंग समझा जाने लगा है। शारीरिक शिक्षा मनुष्य के सर्वांगीण विकास में सहायक है। सभी प्रकार के कर्तव्यों का पालन स्वस्थ शरीर से ही संभव है। मनुष्य के व्यक्तित्व के चहुँमुखी विकास में खेल-कूद की महत्त्वपूर्ण भूमिका रहती है। खेलों से स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना उत्पन्न होती हैं जो समाज को जोड़ने में अपनी भूमिका निभाते हैं।

खेल कई तरह के होते हैं - क्रिकेट, हॉकी, लॉनटेनिस, फुटबाल जैसे खेलों के लिए बड़े मैदान की ज़रुरत होती है। खो-खो, कबड्डी, टेबल-टेनिस जैसे खेल छोटे मैदान में भी खेले जा सकते हैं। यदि हम नियमित रूप से खेलते रहते हैं, तो हमारा स्वास्थ्य ठीक रहता है। हम चुस्त-दुरूस्त बने रहते हैं। इससे बीमारियाँ भी दूर रहती हैं साथ ही डॉक्टर और दवाईयों में आने वाला खर्चा भी कम हो जाता है। विद्यार्थियों के लिए तो खेल उत्तम औषधि के समान है। पढ़ाई करने के बाद खेलने से मन को नई शक्ति प्रदान होती है। खेलने से विद्यार्थियों में उपजा तनाव कम होता है।

आज हर देश में खेलों को आवश्यक और महत्वपूर्ण स्थान दिया जाता है। स्कूलों में बच्चों के संपूर्ण विकास के लिए अनेक प्रकार के खेलों की व्यवस्था होती है, इसलिए माता-पिता भी अपने बच्चों को उसी स्कूल में डालना चाहते हैं जहाँ खेलों को ज्यादा महत्त्व दिया जाता है। खेलों से सहयोग, उदारता, सहनशीलता, अनुसाशन की भावना तथा मेल जोल की आदि जैसे गुण विकसित होते है।

खेलों को व्यवसाय के रूप में अपनाने से खिलाड़ी देश-विदेश में यश और धन दोनों कमा रहे हैं। इन सब बातों को देखते हुए हम खेलों के महत्त्व को नकार नहीं सकते हैं। कई राष्ट्रीय और बहुराष्ट्रीय कंपनिया खेल-क्लबों और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आर्थिक सहायता दे रही है। इसके अतिरिक्त प्रांतीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेल प्रतियोगिताओं का समय-समय पर आयोजन हो रहा है। प्रत्येक मनुष्य के लिए आज यह आवश्यक हो गया है कि वह अपने आप को खेलों से जोड़कर जीवन को सहेज बनाकर जीने का प्रयास करे।

3. भारत में वर्षा ऋतु एक बेहद ही महत्वपूर्ण ऋतु है। इस आधार पर वर्षा ऋतू पर प्रस्ताव लिखें।

वर्षा ऋतु से प्रभावित होकर अनेक कवियों और लेखकों ने अनेक छन्द और कविताओं का सृजन किया है।

भारत में वर्षा ऋतु एक बेहद ही महत्वपूर्ण ऋतु है। वर्षा ऋतु आषाढ़, श्रावण तथा भादो मास में मुख्य रूप से होती है।

ग्रीष्म के प्रचंड ताप से नदी-नाले और तालाब सूख जाते हैं। पशु-पक्षी और मनुष्य मारे गर्मी में आकुल-व्याकुल को जाते हैं। ऐसे ही दिनों में बादलों की गड़गड़ाहट और बिजली की कड़कड़हट के साथ वर्षा वरदान बनकर धरती पर बरसती है। वर्षा की पहली फुहार के साथ ही धरती मारे खुशी के झूम उठती है।

पेड़-पौधे, झाड़ियाँ घास आदि फिर से हरे-भरे हो जाते हैं। ताल-तालाब और नदी-नाले फिर से लबालब हो जाते हैं। भयंकर गर्मी के बीच बारिश का आना सर्वत्र प्रसन्नता का संचार करता है। औसत बारिश से किसान अपने हल-बैल आदि लेकर खेतों की ओर दौड़ पड़ते हैं। कुछ ही दिनों में जो धरती वीरान और उजाड़ हो गयी थी, अब फिर से हरी-भरी लगने लगती है। देखने पर लगता है, मानों धरती ने एक हरी चादर ओढ़ ली हो। कीट-पतंगें जो कुछ ही समय पूर्व तक धरती के आगोश में दुबके पड़े थे, पुन: सक्रिय हो जाते हैं। मेंढ़कों के टर्रटर्राने और झींगुर का संगीत आम हो जाता है।

वर्षा ऋतु का आनंद लेने के लिए लोग पिकनिक मनाते हैं। गाँव में सावन के झूलों पर युवतियाँ झूलती हैं। वर्षा ऋतु में ही रक्षा बंधन, तीज आदि त्योहार आते हैं।
भारत कृषिप्रधान देश है। यहाँ खेती का मुख्य आधार वर्षा ही है। अत: वर्षाऋतु हमारी भाग्यविधात्री है। वर्षाऋतु हमारे लिए बहुत उपयोगी है। वही सृष्टि का सौभाग्य है और मानवजीवन की गंगोत्री है।

4. एक कहानी लिखिए, जिसका आधार निम्नलिखित उक्ति हो :
‘जहाँ सुमति तहँ संपति नाना; जहाँ कुमति तहाँ बिपति निदाना’।
‘जहाँ सुमति तहँ संपति नाना; जहाँ कुमति तहाँ बिपति निदाना’ - उक्ति का यह अर्थ है कि जिस घर में आपसी प्रेम और सद्भाव होता है उस घर में सारे सुख और संपत्ति होती है और जहाँ जिस घर में आपस में द्वेष और वैमनस्य होता है, उस घर के वासी दुखी व विपन्न रहते हैं। यही बात हम नीचे दी हुई कहानी से भी सिद्ध कर सकते हैं।
एकबार एक सेठ ने एक रात को स्वप्न में देखा कि एक स्त्री उनके घर के दरवाजे से निकलकर बाहर जा रही है। उन्होंने पूछा, “हे देवी आप कौन हैं? मेरे घर में आप कब आयीं और मेरा घर छोड़कर आप क्यों और कहाँ जा रही हैं? वह स्त्री बोली, “मैं तुम्हारे घर की लक्ष्मी हूँ। कई वर्षों से मैं तुम्हारे घर में वास करती आ रही हूँ। किंतु अब मेरा समय यहाँ पर समाप्त हो गया है इसलिए मैं यह घर छोड़कर जा रही हूँ। मैं तुम पर अत्यंत प्रसन्न हूँ, क्योंकि जितना समय मैं तुम्हारे पास रही, तुमने मेरा सदुपयोग किया। संतों को घर पर आमंत्रित करके उनकी सेवा की, गरीबों को भोजन कराया, धर्मार्थ कुएँ - तालाब बनवाए, गौशाला व प्याऊ बनवायी। तुमने लोक-कल्याण के कई कार्य किए। अब जाते समय मैं तुम्हें वरदान देना चाहती हूँ। जो चाहे मुझसे माँग लो।”

यह सुनकर सेठ को पहले तो कुछ समझ नहीं आया सोच-विचार उन्होंने कहा कि आप कल आइएगा मैं अपनी पत्नी और बहू से पूछकर आपको बताऊँगा।

सुबह उठते ही सेठ ने अपनी पत्नी और बहू को रात का सारा किस्सा सुनाया। पत्नी बोली, "तुम लक्ष्मी से सोना-चाँदी और अनाज से भरे गोदाम माँग लो।" सेठ की बहू धार्मिक कुटुंब से आयी थी। बचपन से ही सत्संग में जाया करती थी, उसने कहा, "पिताजी! लक्ष्मीजी को जाना है तो जाएँगी ही और जो भी वस्तुएँ हम उनसे माँगेंगे वे भी सदा नहीं टिकेंगी। यदि सोने-चाँदी, रुपये-पैसों के ढेर माँगेगें तो हमारी आनेवाली पीढ़ी के बच्चे अहंकार और आलस में अपना जीवन बिगाड़ देंगे। इसलिए आप लक्ष्मीजी से कहना कि वे जाना चाहती हैं तो अवश्य जायें किन्तु हमें यह वरदान दें कि हमारे घर में सज्जनों की सेवा-पूजा, हरि-कथा सदा होती रहे तथा हमारे परिवार के सदस्यों में आपसी प्रेम बना रहे क्योंकि परिवार में प्रेम होगा तो विपत्ति के दिन भी आसानी से कट जाएँगे।

दूसरे दिन रात को लक्ष्मीजी ने स्वप्न में आकर सेठ से पूछा, 'तुमने अपनी परिवार वालों से सलाह-मशवरा कर लिया? क्या चाहिए तुम्हें? सेठ ने कहा, "हे माँ लक्ष्मी! आपको जाना है तो प्रसन्नता से जाइए परंतु मुझे यह वरदान दीजिए कि मेरे घर में हमेशा हरि-कथा और संतों की सेवा होती रहे तथा परिवार के सदस्यों में परस्पर प्रेम बना रहे।"

यह सुनकर लक्ष्मीजी चौंक गयीं और बोलीं, "यह तुमने क्या माँग लिया। जिस घर में हरि-कथा और संतों की सेवा होती हो तथा परिवार के सदस्यों में परस्पर प्रीति रहे वहाँ तो साक्षात् नारायण का निवास होता है और जहाँ नारायण रहते हैं, वही मेरा भी निवास होता है और मैं चाहकर भी उस घर को छोड़कर नहीं जा सकती। यह वरदान माँगकर तुमने मुझे यहाँ रहने के

लिए विवश कर दिया है।" इसलिए तो कहते हैं 'जहाँ सुमति तहँ संपति नाना; जहाँ कुमति तहाँ बिपति निदाना'।

5. नीचे दिये गये चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट सम्बन्ध चित्र से होना चाहिए।

उपर्युक्त चित्र में हमें एक कुम्हार चाक पर मिट्टी के घड़े बनाता हुआ नजर आ रहा है उसके पास ही एक बालक और बालिका बैठी हुई हैं, वे शायद उस कुम्हार के ही बच्चे हैं। बालक भी मिट्टी से कुछ बनाने का प्रयास कर रहा है और बालिका पास में बैठी बालक को निहार रही है। कुम्हार के आस-पास भी कई घड़े रखें हैं।

आज के वर्तमान युग की बात करें तो अब इस प्रकार के दृश्य देखने के लिए नहीं मिलते हैं। आज लोग स्टील, प्लास्टिक, अलमूनियम और अन्य प्रकार के धातु मिश्रित बर्तनों का प्रयोग धड़ल्ले से करने लगे है जिसके परिणाम स्वरुप हमारे ये छोटे और लघु कुटीर उद्योग लगभग बंद से हो गए हैं। पहले हर एक घर में मिट्टी के ही बर्तन पाए जाते थे। उसमें पका खाना कितना सुस्वादु होता था। यहाँ तक कि घर के सजावटी सामान,बच्चों के खिलौने भी मिट्टी से ही बने होते थे। आज इस प्रकार के व्यवसाय मृतप्राय से हो चले हैं। नई पीढ़ी तो इस प्रकार के व्यवसायों का समर्थन भी नहीं करती। लेकिन कहते हैं ना नया नौ दिन और पुराना सौ दिन। आज भी इस प्रकार मिट्टी से बनी कलात्मक वस्तुओं की माँग धीरे सही पर बढ़

रही है। लोग फिर से अपने पुराने दिनों में लौटने का प्रयास कर रहे हैं जो कि एक शुभ संकेत है।

Q.2 Write a letter in Hindi in approximately 120 Words on any one of the topics given below: [7]

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए :

(i) मोहल्ले में सार्वजनिक नल लगवाने के लिए नगर-निगम के अधिकारी को आवेदन पत्र लिखें।

सेवा में,
जल अभियन्ता
मुंबई नगर निगम
मुंबई

विषय : सार्वजनिक नल लगवाने हेतु आवेदन पत्र।
महोदय,
सविनय निवेदन यह है कि हमारे मोहल्ले में 300 से अधिक परिवार रहते हैं। हमारे यहाँ केवल एक ही सार्वजनिक नल है इसलिए पानी भरने के लिए सदा लंबी कतार लगी रहती है।
कभी-कभी तो पानी की बात पर भयंकर लड़ाई-झगड़ा तथा गाली-गलौच व मारपीट तक की नौबत भी आ जाती है। कई बार तो पुलिस को बीच-बचाव के लिए बुलाना पड़ता है। इनमें से कई परिवार ऐसे हैं जिनके अपने घरों के पानी के नल नहीं है तथा वे सार्वजनिक नलों से ही पानी भरते हैं। उनकी दशा तो और भी दयनीय है क्योंकि पानी एक निश्चित अवधि के लिए ही आता है इसलिए वे लोग पर्याप्त पानी नहीं भर पाते हैं।
अतएव हमारी आपसे प्रार्थना है कि इस मुहल्ले की आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए कम से कम तीन-चार नल और लगवाने की कृपा करें जिससे जनता का सार्वजनिक हित हो सके तथा परस्पर लड़ाई झगड़ा भी न

हो। आशा है आप हमारी परेशानियों को समझते हुए शीघ्रातिशीघ्र इस ओर ध्यान देंगे।

सधन्यवाद।

भवदीय

आशु त्यागी

धारावी

मुंबई

19 जून, 2018

(ii) विद्यालय की शैक्षिक यात्रा का वर्णन करते हुए माताजी को पत्र लिखें।

102, राजहंस छात्रावास

लाजपत नगर

नई दिल्ली

दिनाँक - 25/10/20xx

आदरणीय माताजी

सादर प्रणाम।

आशा करता हूँ आप सभी स्वस्थ होंगे। मैं भी यहाँ छात्रावास में सकुशल हूँ। जैसा कि आपको पता ही है विद्यालय की तरफ से हम शैक्षिक यात्रा के लिए इस बार लखनऊ गए थे। उसी यात्रा के बारे में बताने के लिए मैंने यह पत्र आपको लिखा है। दिनाँक 12 अक्टूबर को हम ट्रेन द्वारा लखनऊ रवाना हुए। ट्रेन में भी हमें खूब मौज-मस्ती की। लखनऊ पहुँचने के बाद एक बंगले में हमें ठहराया गया था। प्रात:काल हमें लखनऊ की प्रसिद्ध जगहों पर ले जाया गया। माताजी वैसे तो मुझे वहाँ की सभी जगहें अच्छी लगी जैसे रूमी दरवाजा, हाथी पार्क, पिक्चर गैलरी, बोटानिकल गार्डन आदि परन्तु इमामबाड़ा में स्थित भूलभुलैया किले को में कभी भी नहीं भूल पाऊँगा, कारीगरी तथा योजना बद्ध तरीके का ऐसा अनुपम उदहारण कहीं भी देखने को नहीं मिलेगा। माँ इस किले में आपको गाइड के साथ ही

जाना होता है। क्योंकि यह किला कुछ इस प्रकार से बना है कि आप अंदर तो जा सकते हैं परंतु बिना किसी गाइड के किले के बाहर नहीं निकल सकते। कुछ इस प्रकार से इस भूल-भुलैया का निर्माण किया गया है।

वहाँ की काफी सारी मीठी यादों के साथ हम सभी लौटे।

पिताजी और भाईसाहब को मेरा सादर प्रणाम तथा छोटी बहन को प्यार।

आपका प्रिय पुत्र

सुशील

Q.3 Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible: [10]

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए:

मेरे मकान के आगे चौराहे पर ढाबे के आगे फुटपाथ पर खाना खाने वाले लोग बैठते हैं - रिक्शेवाले, मजदूर, फेरीवाले, कबाड़ी वाले। आना-जाना लगा ही रहता है। लोग कहते हैं - "आपको बुरा नहीं लगता? लोग सड़क पर गंदगी फैला रहे हैं और आप इन्हें बरदाश्त कर रहे हैं? इनके कारण पूरे मोहल्ले की आबोहवा खराब हो रही है।" मैं उनकी बातों को हल्के में ही लेता हूँ। मुझे पता है कि यहाँ जो लोग जुटते हैं वे गरीब लोग होते हैं। अपने काम-धाम के बीच रोटी खाने चले आते हैं और खाकर चले जाते हैं। ये आमतौर पर बिहार से आए गरीब ईमानदार लोग हैं जो हमारे इस परिसर के स्थायी सदस्य हो गए हैं। ये उन अशिष्ट अमीरों से भिन्न हैं जो साधारण-सी बात पर भी हंगामा खड़ा कर देते हैं। लोगों के पास पैसा तो आ गया पर धनी होने का स्वर नहीं आया। अधजल गगरी छलकत जाए की तर्ज पर इनमें दिखावे की भावना उबल खाती है। असल में यह ढाबा हमें भी अपने माहौल से जोड़ता है। मैं लेखक हूँ तो क्या हुआ? गाँव के एक सामान्य घर से आया हुआ व्यक्ति हूँ। बचपन में गाँव-घरों की गरीबी देखी है और भोगी भी है। खेतों की मिट्टी में रमा हूँ, वह

मुझमें रमी है। आज भी उस मिट्टी को झाड़झुड कर भले ही शहरी बनने की कोशिश करता हूँ, बन नहीं पाता। वह मिट्टी बाहर से चाहे न दिखाई दे, अपनी महक और रसमयता से वह मेरे भीतर बसी हुई है। इसीलिए मुझे मिट्टी से जुड़े ये तमाम लोग भाते हैं। इस दुनिया में कहा-सुनी होती है, हाथापाई भी हो जाती है लेकिन कोई किसी के प्रति गाँठ नहीं बाँधता। दूसरे-तीसरे ही दिन परस्पर हँसते-बतियाते और एक-दूसरे के दुःख-दर्द में शामिल होते दिखाई पड़ते हैं। ये सभी कभी-न-कभी एक-दूसरे से लड़ चुके हैं लेकिन कभी प्रतीत नहीं होती कि ये लड़ चुके हैं। कल के गुस्से को अगले दिन धूल की तरह झाड़कर फेंक देते हैं।

1. लेखक लोगों की शिकायत हल्के में क्यों लेता है? [2]

   उत्तर : लेखक लोगों की शिकायत हल्के में लेता है क्योंकि लेखक को पता है उसके मकान के चौराहे पर ढाबे के आगे फुटपाथ पर जुटने वाले गरीब परंतु ईमानदार लोग हैं जो केवल अपने काम-धाम के बीच रोटी खाने यहाँ पर आ जाते हैं।

2. साधारण-सी बात पर भी हंगामा कौन खड़ा कर देते हैं? [2]

   उत्तर : साधारण-सी बात पर हंगामा खड़ा करने वाले अशिष्ट अमीर लोग होते हैं। ये वे लोग है जिनके पास पैसा तो आ गया पर धनी होने का स्वर नहीं आया। अधजल गगरी छलकत जाए की तर्ज पर इनमें दिखावे की भावना उबल खाती है।

3. 'इस दुनिया में कहासुनी होती है' से तात्पर्य स्पष्ट करें। [2]

   उत्तर : 'इस दुनिया में कहासुनी होती है' से तात्पर्य आपसी मन-मुटाव से है। गरीब और ईमानदार लोगों के बीच भले कभी-कभी मन-मुटाव या हाथापाई हो जाती है लेकिन कोई किसी के प्रति गाँठ नहीं बाँधता। दूसरे-तीसरे ही दिन परस्पर हँसते-बतियाते और एक-दूसरे के दुःख-दर्द में शामिल होते दिखाई पड़ते हैं।

4. लेखक को मिट्टी से जुड़े तमाम लोग क्यों भाते हैं? [2]

उत्तर : लेखक गाँव के एक सामान्य घर से आया हुआ व्यक्ति हैं। बचपन में उन्होंने गाँव-घरों की गरीबी देखी है और भोगी भी है। खेतों की मिट्टी में वे रचे-बसे हैं। आज भी वे कितना ही शहरी बनने की कोशिश क्यों न करें लेकिन अपनी मिट्टी से अपने नाते को तोड़ नहीं पाते इसीलिए लेखक को मिट्टी से जुड़े ये तमाम लोग भाते हैं।

5. उपर्युक्त गद्यांश को उचित शीर्षक दीजिए। [2]

उत्तर : उपर्युक्त गद्यांश के लिए उचित शीर्षक 'मिट्टी से जुड़ाव' हो सकता है।

Q. 4 Answer the following according to the instructions given:

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए:

1. निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए: [1]
   - सुख - सुखी
   - प्रथम - प्राथमिक

2. निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए: [1]
   - सड़क - मार्ग, रास्ता, राह
   - मिट्टी - मृत्तिका, माटी

3. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए: [1]
   - अशिष्ट - शिष्ट
   - शहरी - ग्रामीण
   - बुरा - भला
   - गरीब - अमीर

4. भाववाचक संज्ञा बनाइए: [1]

- शहर - शहरी
- गरीब - गरीबी

5. निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक की सहायता से वाक्य बनाइए: [1]

- हंगामा खड़ा करना - तुम्हें तो हर छोटी-छोटी बात पर हंगामा खड़ा करने की आदत-सी हो गई है।
- मन-मसोस कर रह जाना - कम वेतन बढ़ोत्तरी से राघव मन-मसोसकर रह गया।

6. कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए:

(a) अन्ना हजारे ने सरकार का लोकपाल बिल मानने से इनकार कर दिया। (रेखांकित शब्द का विपरीतार्थक शब्द लिखिए) [1]

उत्तर : अन्ना हजारे ने सरकार का लोकपाल बिल मानने से इकरार नहीं किया।

(b) वह दुश्मन की सेना पर टूट पड़ा। ('टूट पड़ा' के साथ पर 'हमला किया' का प्रयोग कीजिए) [1]

उत्तर : उसने दुश्मन की सेना पर हमला किया।

(c) देखते ही देखते लोगों के जादूगर के हाथ का फूल गायब हो गया। (वाक्य को शुद्ध करें) [1]

उत्तर : लोगों के देखते ही देखते जादूगर के हाथ का फूल गायब हो गया।

SECTION - B (40 Marks)

Attempt four questions from this section.

You must answer at least **one** question from each of **two** books you have studied and any **two** other questions.

(साहित्य सागर गद्य)

Q.5 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

"मुझे तो तेरे दिमाग के कन्फ्यूजन का प्रतीक नज़र आ रहा है,बिना मतलब जिंदगी खराब कर रही है।"

पाठ - दो कलाकार

लेखिका - मन्नू भंडारी

1. उपर्युक्त अवतरण की वक्ता और श्रोता का परिचय दें। [2]

उत्तर : उपर्युक्त अवतरण की वक्ता अरुणा और श्रोता चित्रा है। ये दोनों अभिन्न सहेलियाँ हैं। अरुणा और चित्रा पिछले छः वर्षों से छात्रावास में एक साथ रहते हैं। चित्रा एक चित्रकार है और अरुणा को लोगों की सेवा करने में आनंद मिलता है।

2. चित्रा का अरुणा को नींद में से जगाने का क्या उद्देश्य है? [2]

उत्तर : चित्रा एक चित्रकार है और अरुणा उसकी मित्र। अभी-अभी कुछ समय पहले उसने एक चित्र पूरा किया था जिसे वह अपनी मित्र अरुणा को दिखाना चाहती थी इसलिए चित्रा ने अरुणा को नींद से जगा दिया।

3. अरुणा ने चित्र को घनचक्कर क्यों कहा? [3]

उत्तर : चित्रा ने अरुणा को जब चित्र दिखाया तो तो उसमें सड़क, आदमी, ट्राम, बस, मोटर, मकान सब एक-दूसरे पर चढ़ रहे थे। मानो सबकी खिचड़ी पकाकर रख दी गई हो। इसलिए अरुणा ने उस चित्र को घनचक्कर कहा।

4. चित्रा ने उस चित्र को किसका प्रतीक कहा और क्यों? [3]

उत्तर : चित्रा ने उस चित्र को कन्फ्यूजन का प्रतीक का प्रतीक कहा क्योंकि उस चित्र में सड़क, आदमी, ट्राम, बस, मोटर, मकान सब एक-दूसरे पर चढ़ रहे थे।

Q.6 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

भेड़िया चिढ़कर बोला, "कहाँ की आसमानी बातें करता है? अरे, हमारी जाति कुल दस फीसदी है और भेड़ें तथा अन्य छोटे पशु नब्बे फीसदी। भला वे हमें काहे को चुनेंगे। अरे, जिंदगी अपने को मौत के हाथ सौंप सकती है? मगर हाँ, ऐसा हो सकता, तो क्या बात थी!"

पाठ - भेड़ और भेड़िये

लेखक - हरिशंकर परसाई

1. भेड़ियों ने यह क्यों सोचा कि अब संकटकाल आ गया है? [2]

उत्तर : वन-प्रदेश में भेड़ों और अन्य छोटे पशुओं को मिलाकर उनकी संख्या नब्बे प्रतिशत थी इसलिए यदि प्रजातंत्र की स्थापना होती है तो वहाँ भेड़ों का ही राज होगा और यदि भेड़ों ने यह कानून बना दिया कि कोई पशु किसी को न मारे तो भेड़िये को खाना

कैसे मिलेगा। इसलिए भेड़ियों ने सोचा कि प्रजातंत्र की स्थापना से उनपर संकटकाल आ गया है।

2. प्रस्तुत अवतरण में भेड़ें और भेड़िये किसका प्रतीक हैं? [2]

उत्तर : प्रस्तुत अवतरण में भेड़ सामान्य जनता का प्रतीक है। जो कपटी नेताओं के झांसे में आकर चुनावों के दौरान इन नेताओं को चुनकर यह सोचते हैं कि ये नेता इनका भला करेंगे।

वही दूसरी ओर भेड़िये उन राजनीतिज्ञों का प्रतीक हैं जो सामान्य जनता को अपनी चिकनी-चुपड़ी बातों में फँसाकर अपना स्वार्थ साधते हैं।

3. सियार ने भेड़ियों को सरकस में जाने की सलाह क्यों दी? [3]

उत्तर : वन-प्रदेश में भेड़ों की संख्या अधिक थी और यदि प्रजातंत्र की स्थापना हो गई तो भेड़ियों के पास भागने के अलावा कोई चारा नहीं था इसलिए सियार ने भेड़ियों को सरकस में जाने की सलाह दी।

4. भेड़ियों ने बूढ़े सियार की बात मानने का निश्चय क्यों किया? [3]

उत्तर : प्रजातंत्र की खबर से भेड़िये बड़े परेशान थे। उन्हें इससे बचाने का कोई उपाय नहीं सूझ रहा था। ऐसे समय में बूढ़े सियार ने जब उन्हें उम्मीद की किरण दिखाई कि वह कोई न कोई योजना बनाकर भेड़ियों की मदद कर देगा तो भेड़ियों ने बूढ़े सियार की बात मानने का निश्चय किया।

Q 7 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

रामनिहाल हत बुद्धि अपराधी - श्यामा को देखने लगा, जैसे उसे कहीं भागने की राह न हो।

पाठ - संदेह

लेखक - जयशंकर प्रसाद

1. रामनिहाल ने श्यामा क्या बताया? [2]

उत्तर : रामनिहाल ने श्यामा को बताया कि बृजकिशोर बाबू चाहते हैं कि अदालत मोहनबाबू को पागल करार कर दे और उन्हें मोहनबाबू का निकट संबंधी होने के कारण सारी संपत्ति का प्रबंधक बना दे।

2. रामनिहाल किस संदेह से ग्रसित था? [2]

उत्तर : रामनिहाल इस संदेह से ग्रसित था कि मनोरमा उसे प्यार करती है और इसलिए बार-बार उसे पत्र लिख कर बुला रही है।

3. रामनिहाल हत बुद्धि क्यों हो गया? [3]

उत्तर : रामनिहाल अभी तक यह संदेह कर रहा था कि मनोरमा उससे प्यार करती है और इसलिए बार-बार पत्र लिखकर उसे बुला रही है पर जब श्यामा ने रामनिहाल को बताया कि वह एक दुखिया स्त्री है जो बृजकिशोर जैसे कपटी व्यक्ति के कारण उसकी सहायता चाहती है। इस तरह जब श्यामा ने रामनिहाल के व्यर्थ के संदेह का निराकरण कर दिया तो रामनिहाल हत बुद्धि हो गया।

4. अंत में श्यामा ने रामनिहाल को क्या सुझाव दिया? [3]

उत्तर : रामनिहाल की सारी बातें सुनने के बाद श्यामा यह जान गई कि रामनिहाल व्यर्थ के संदेह के कारण परेशान है। तब श्यामा ने उसके संदेह का निराकरण किया और रामनिहाल को सुझाव दिया कि मनोरमा एक दुखिया स्त्री है और रामनिहाल को उसकी सहायता करनी चाहिए।

(साहित्य सागर पद्य)

Q.8 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

ऐसो को उदार जग माहीं।
बिनु सेवा जो द्रवै दीन पर राम सरिस कोउ नाहीं॥
जो गति जोग विराग जतन करि नहिं पावत मुनि ज्ञानी।
सो गति देत गीध सबरी कहूँ प्रभु न बहुत जिय जानी॥
जो सम्पत्ति दस सीस अरप करि रावन सिव पहँ लीन्ही।
सो सम्पदा विभीषण कहँ अति सकुच सहित प्रभु दीन्ही॥
तुलसीदास सब भाँति सकल सुख जो चाहसि मन मेरो।
तौ भजु राम, काम सब पूरन कर कृपानिधि तेरो॥

कविता-विनय के पद

कवि-तुलसीदास

1. प्रस्तुत पद में किसकी बात की जा रही है? वह कैसे उदार हैं?। [2]

उत्तर : प्रस्तुत पद में तुलसीदास के आराध्य देव भगवान विष्णु के अवतार राम की बात की जा रही है। तुलसीदास के अनुसार भगवान राम के समान उदार संसार में और कोई नहीं है। राम

बिना सेवा के ही दीन-दुखियों पर अपनी कृपादृष्टि रखते हैं और उनका इस भव रूपी सागर से उद्धार करते हैं।

2. गीध और सबरी कौन थे? भगवान ने उनका उद्धार किस प्रकार किया? [2]

उत्तर : गीध अर्थात् गिद्ध से कवि का तात्पर्य जटायु से है। जब रावण सीता का हरण करके आकाश मार्ग से लंका की ओर जा रहा था तो सीता की दुख-भरी पुकार सुनकर जटायु ने उन्हें पहचान लिया और उन्हें छुड़ाने के लिए रावण से युद्ध करते हुए गंभीर रूप से घायल हो गया। सीता को खोजते हुए जब राम वहाँ पहुँचे तो घायल जटायु ने ही राम को रावण के विषय में सूचना देकर राम के चरणों में अपने प्राण त्याग दिए और मोक्ष की प्राप्ति की। सबरी अर्थात् शबरी एक वनवासी शबर जाति की स्त्री थी। जब उसे पूर्वाभास हुआ कि राम उसी वन के रास्ते से जाएँगे जहाँ वह रहती है तब उसने राम के स्वागत के लिए चख-चखकर मीठे बेर जमा किए। राम ने उनका आथित्य स्वीकार किया और उसके चखे हुए जूठे बेर खाकर उसे परम गति प्रदान की।

3. भगवान राम ने विभीषण के प्रति किस प्रकार उदारता दिखाई? [3]

उत्तर : विभीषण रावण का छोटा भाई था। वह रामभक्त था। उसने रावण को राम से क्षमा माँगकर उनकी शरण में जाने के लिए समझाने की चेष्टा की, किंतु रावण ने उसका तिरस्कार किया। रावण के दरबार से अपमानित होकर विभीषण को लंका छोड़कर राम की शरण में आना पड़ा। युद्ध में रावण को पराजित करने के बाद राम ने लंका का संपूर्ण राज्य बड़े संकोच के साथ अर्थात् बिना किसी अभिमान के विभीषण को दे दिया।

4. तुलसीदास सब भाँति सकल सुख जो चाहसि मन मेरो। तौ भजु राम, काम सब पूरन कर कृपानिधि तेरो॥-इन पंक्तियों की व्याख्या कीजिए। [3]

उत्तर : तुलसीदास भगवान राम का भजन करने के लिए कह रहे हैं क्योंकि राम ही सबसे उदार हैं जिनकी आराधना से मोक्ष प्राप्त होता है। तुलसीदास कहते हैं कि मेरा मन जितने प्रकार के भी सुख चाहता है, वे सब राम की कृपा से प्राप्त हो जाएँगे। अत: हे मन! तू राम का भजन कर। राम कृपानिधि हैं। वे हमारी सभी मनोकामनाएँ पूर्ण करेंगे। जैसे राम ने जटायु को और शबरी को परमगति तथा विभीषण को लंका का राज्य प्रदान किया।

Q.9 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

वह जन्मभूमि मेरी, वह मातृभूमि मेरी।
ऊँचा खड़ा हिमालय आकाश चूमता है,
नीचे चरण तले झुक, नित सिंधु झूमता है।
गंगा यमुना त्रिवेणी नदियाँ लहर रही हैं,
जगमग छटा निराली पग-पग छहर रही है।
वह पुण्य भूमि मेरी, वह स्वर्ण भूमि मेरी।
कविता - वह जन्मभूमि मेरी
कवि - सोहनलाल द्विवेदी

1. कवि किस भूमि की बात कर रहा है? [2]

उत्तर : कवि अपनी जन्मभूमि भारतमाता की बात कर रहा है।

2. कवि ने हिमालय के बारे में क्या कहा है? [2]

उत्तर : कवि कहते है कि हिमालय इतना ऊँचा है मानो आसमान को चूम रहा है। वह हमारे भारत की रक्षा करता है।

3. त्रिवेणी नदियों के नाम लिखिए। [3]

उत्तर : गंगा, यमुना और सरस्वती त्रिवेणी नदियाँ है।

4. शब्दार्थ लिखिए : मातृभूमि, सिंधु, नित, पुण्य भूमि, आकाश, छटा [3]

उत्तर : मातृभूमि - जन्म भूमि

सिंधु - समुद्र

नित - प्रतिदिन

पुण्य - भूमि पवित्र भूमि

आकाश - गगन

छटा - शोभा

Q.10 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

गुरु गोबिंद दोऊ खड़े, काके लागू पायँ।
बलिहारी गुरु आपनो, जिन गोबिंद दियौ बताय॥
जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाहि।
प्रेम गली अति साँकरी, तामे दो न समाहि॥

कविता - साखी

कवि - कबीरदास

1. कवि किसके बारे में क्या सोच रहे हैं? [2]

उत्तर : कबीर यहाँ पर गुरु के बारे में सोच रहें हैं कबीर के अनुसार गुरु का स्थान ईश्वर से श्रेष्ठ है। कबीर कहते है जब गुरु और गोविंद (भगवान) दोनों एक साथ खड़े हो तो गुरु के श्रीचरणों मे शीश झुकाना उत्तम है जिनके कृपा रुपी प्रसाद से गोविंद का दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। गुरु ज्ञान प्रदान करते हैं, सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं, मोह-माया से मुक्त कराते हैं।

2. कवि किसके ऊपर न्योछावर (समर्पण) हो जाना चाहते हैं तथा क्यों? [2]

उत्तर : कवि अपने गुरु पर न्योछावर होना चाहते हैं। क्योंकि गुरु ज्ञान प्रदान करते हैं, सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं, मोह-माया से मुक्त कराते हैं।

3. ईश्वर का वास कहाँ नहीं होता है? कवि हमें क्या त्यागने की प्रेरणा दे रहे हैं? कवि का संक्षिप्त परिचय देते हुए बताइए। [3]

उत्तर : ईश्वर का वास जहाँ अंहकार होता है वहाँ नहीं होता है कवि हमें अहंकार त्यागने की प्रेरणा दे रहे हैं। प्रस्तुत साखी के कवि संत कबीर हैं। कबीर साधु-सन्यासियों की संगति में रहते थे। इस कारण उनकी भाषा में अनेक भाषाओँ तथा बोलियों के शब्द पाए जाते हैं। कबीर की भाषा में भोजपुरी, अवधी, ब्रज, राजस्थानी, पंजाबी, खड़ी बोली, उर्दू और फ़ारसी के शब्द घुल-मिल गए हैं। अत: विद्वानों ने उनकी भाषा को सधुक्कड़ी या पंचमेल खिचड़ी कहा है।

4. साँकरी शब्द का क्या अर्थ है? प्रेम गली से कवि का क्या तात्पर्य है? उसमें कौन दो एक साथ नहीं रह सकते हैं समझाइए। [3]

उत्तर : साँकरी शब्द का अर्थ है कि ह्रदय रूपी प्रेम गली इतनी संकरी है जिसमें दोनों में से सिर्फ एक ही समा सकते हैं। प्रेमगली से तात्पर्य मनुष्य के ह्रदय से है। इस प्रेम रूपी गली मैं ईश्वर और मनुष्य का अंहकार साथ नहीं रह सकते हैं जिस प्रकार अँधेरा और उजाला एक साथ, एक ही समय, कैसे रह सकते हैं? जब तक मनुष्य में अज्ञान रुपी अंधकार छाया है वह ईश्वर को नहीं पा सकता अर्थात् अहंकार और ईश्वर का साथ-साथ रहना नामुमकिन है। यह भावना दूर होते ही वह ईश्वर को पा लेता है।

एकांकी संचय

Q.11 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

अपराध और किसका है। सब मुझी को दोष देते हैं। मिसरानी कह रही थी बहू किसी की भी हो, पर अपने प्राण देकर उसने पति को बचा लिया।

एकांकी - संस्कार भावना

लेखक - विष्णु प्रभाकर

1. यहाँ पर किसके कौन-से अपराध की बात हो रही है? [2]

उत्तर : यहाँ पर अतुल और अविनाश की माँ हिन्दू समाज की रूढ़िवादी संस्कारों से ग्रस्त हैं। वे संस्कारों की दास हैं। यहाँ पर अतुल और अविनाश की माँ खुद के रुढ़िवादी विचारों तथा जात-पात के संस्कारों को मानने के अपराध की बात कर रही है।

2. माँ ने अविनाश की बहू को क्यों नहीं अपनाया? समझाकर लिखिए। [2]

उत्तर : माँ एक हिन्दू वृद्धा है। वे हिन्दू समाज की रूढ़िवादी संस्कारों से ग्रस्त हैं। वे संस्कारों की दास हैं। एक मध्यम परिवार में अपने पुराने संस्कारों की रक्षा करना धर्म माना जाता है। माँ भी वहीं करना चाहती थी। उसका बड़ा बेटा अविनाश अपनी माँ की इच्छा के विरुद्ध एक बंगाली लड़की से प्रेम-विवाह कर आया परंतु माँ ने अपनी रूढ़िवादी मानसिकता के कारण विजातीय बहू को नहीं अपनाया।

3. बहू ने किसे और किस बीमारी से प्राण देकर बचा लिया? [3]

उत्तर : बहू ने अपने पति अविनाश को हैजे की बीमारी से प्राण देकर बचा लिया। हैजे की बीमारी को छुआ-छूत की बीमारी माना जाता

है। अविनाश की बहू ने इसकी चिंता न करते हुए अपनी पति की देखभाल इस तरह की वह थोड़े दिनों में स्वस्थ हो गया।

4. अविनाश की वधू का चरित्र-चित्रण कीजिए। [3]

उत्तर : अविनाश की वधू बहुत भोली और प्यारी थी, जो उसे एक बार देख लेता उसके रूप पर मंत्रमुग्ध हो जाता। बड़ी-बड़ी काली आँखें उनमें शैशव की भोली मुस्कराहट उसके रूप तथा बड़ों के प्रति आदर के भाव ने भी अतुल और उमा को प्रभावित किया था।

Q.12 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

पहाड़ बनने से क्या होगा? राजमहल पर बोझ बनकर रह जाओगी, बोझ! और नदी बनो तो तुम्हारा बहता हुआ बोझ पत्थर भी अपने सिर पर धारण करेंगे, आनंद और मंगल तुम्हारे किनारे होंगे, जीवन का प्रवाह होगा, उमंगों की लहरें होंगी, जो उठने में गीत गाएँगी, गिरने में नाच नाचेंगी।

एकांकी - दीपदान

लेखक - डॉ. रामकुमार वर्मा

1. यहाँ किसे पहाड़ कहा गया है? क्यों? [2]

उत्तर : यहाँ धाय माँ पन्ना को पहाड़ कहा गया है क्योंकि उनमें ईमानदारी और देशभक्ति की भावना कूट-कूट कर भरी है। जैसे एक पहाड़ अपने देश की सुरक्षा करता है वैसे ही पन्ना धाय भी अपने स्वर्गीय राजा के उत्तराधिकारी कुँवर उदय सिंह की रक्षा के लिए पहाड़ बनकर खड़ी है।

2. श्रोता कौन है? [2]

उत्तर : श्रोता पन्ना धाय है, जो स्वर्गीय महाराणा साँगा की सेविका थी। महाराणा साँगा का सबसे छोटे पुत्र की माँ और स्वयं महाराणा साँगा की मृत्यु के पश्चात से पन्ना धाय ने उसे माँ की तरह पाल रही थी।

3. उपर्युक्त कथन किसने किससे कहा? इसका अर्थ स्पष्ट कीजिए। [3]

उत्तर : उपर्युक्त कथन रावल सरूप सिंह की पुत्री सोना ने धाय माँ पन्ना से कहा। इसका अर्थ यह है कि धाय माँ पन्ना बनवीर सिंह के साथ मिल जाए तथा अपने कर्तव्य कुँवर उदयसिंह की रक्षा से मुँह मोड़ ले।

4. 'तुम्हारा बहता हुआ बोझ पत्थर भी अपने सिर पर धारण करेंगे' का क्या तात्पर्य है? [3]

उत्तर : 'तुम्हारा बहता हुआ बोझ पत्थर भी अपने सिर पर धारण करेंगे' से तात्पर्य स्वर्गीय राजा के उत्तराधिकारी कुँवर उदय सिंह की रक्षा से मुँह मोड़ने से है। यहाँ पर सोना का यह कहने का तात्पर्य है कि यदि पन्ना धाय बनवीर के साथ सहयोग देती है और कुँवर उदय सिंह की रक्षा से मुँह मोड़ती है तो बनवीर उसका सभी कहना माँनेगे। सोना पन्ना धाय को अपनी देशभक्ति और कर्तव्यनिष्ठा छोड़कर बनवीर के साथ मिल जाने की सलाह दे रही है।

Q.13 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

जिस कालाग्नि को तूने वर्षों घृत देकर उभारा है, उसकी लपटों में साथी तो स्वाहा हो गए! उसके घेरे से तू क्यों बचना चाहता है? अच्छी तरह समझ ले, ये तेरी आहुति लिए बिना शांत न होगा।

एकांकी - महाभारत की एक साँझ

लेखक - भारत भूषण अग्रवाल

1. दुर्योधन अपनी प्राण रक्षा के लिए क्या करता है? [2]

उत्तर : महाभारत के युद्ध में सभी मारे जाते हैं केवल एक अकेला दुर्योधन बचता है। युद्ध तब तक समाप्त नहीं माना जा सकता था जब तक कि दुर्योधन मारा नहीं जाता। इस समय दुर्योधन घायल अवस्था में है और अपने प्राण बचाने के लिए द्वैतवन के सरोवर में छिप जाता है।

2. उपर्युक्त कथन किसका का है? कथन का संदर्भ स्पष्ट करें। [2]

उत्तर : उपर्युक्त कथन भीम का है। प्रस्तुत कथन का संदर्भ दुर्योधन को सरोवर से बाहर निकालने का है। दुर्योधन महाभारत के युद्ध में घायल हो जाता है और भागकर द्वैतवन के सरोवर में छिप जाता है। वह उसमें से बाहर नहीं निकलता है। तब उसे सरोवर से बाहर निकालने के लिए भीम उसे उपर्युक्त कथन कहकर ललकारता है।

3. उपर्युक्त कथन का दुर्योधन ने युधिष्ठिर को क्या उत्तर दिया? [3]

उत्तर : उपर्युक्त कथन का दुर्योधन ने उत्तर दिया कि वह सभी बातों को भली-भाँति जानता है लेकिन वह थककर चूर हो चुका है। उसकी सेना भी तितर-बितर हो गई है, उसका कवच फट गया है और उसके सारे शस्त्रास्त्र चूक गए हैं। उसे समय चाहिए और उसने भी पांडवों को तेरह वर्ष का समय दिया था।

4.'घृत देकर उभारा है' से क्या तात्पर्य है स्पष्ट करें। [3]

उत्तर : घृत उभारा है से तात्पर्य दुर्योधन की ईर्ष्या से है। भीम दुर्योधन से कहता है कि वर्षों से तुमने इस ईर्ष्या का बीज बोया है तो अब फसल तो तुम्हें ही काटनी होगी। कितनों को उसने इस ईर्ष्या रूपी अग्नि में जलाया है लेकिन आज स्वयं उन आग की लपटों से बचना चाहता है।

नया रास्ता

(सुषमा अग्रवाल)

Q.14. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

यह कैसी विचित्र घड़ी होती है। माता-पिता जिस बेटी का लालन-पालन इतने वर्षों तक लाड़-प्यार करते हैं, उसी बेटी को सदा के लिए दूसरे के हाथों में सौंप देते हैं। हर पल रहने वाली बिटिया के लिए वह घर पराया हो जाता है। घर ही क्या, बिटिया भी तो पराया धन ही हो जाती है।

1. यहाँ विचित्र घड़ी से क्या उद्देश्य है? [2]

उत्तर : यहाँ पर विचित्र घड़ी से उद्देश्य बेटी के विवाह से है। यहाँ पर कहने का तात्पर्य यह है कि जिस बेटी का माता-पिता लालन-पालन बड़े ही प्यार से करते हैं अंत में एक दिन वे उसे किसी दूसरे के हाथों कैसे सौंप पाते हैं।

2. किसका विवाह हो रहा है? [2]

उत्तर : यहाँ पर मीनू की छोटी बहन आशा का विवाह हो रहा है।

3. वर्षों के लाड़-प्यार के बाद लड़की को बिछुड़ना क्यों पड़ता है? [3]

उत्तर : हमारे समाज में बेटी पराया धन मानी जाती है। प्रत्येक माता-पिता एक अमानत के तौर पर बेटी की देखभाल करते हैं। इसलिए वर्षों के लाड़-प्यार के बाद लड़की को बिछुड़ना पड़ता है।

4. 'बेटी पराया धन होती है' का अर्थ स्पष्ट कीजिए। [3]

उत्तर : बेटी पराया धन होती है इसका अर्थ यह है कि बेटियों का बड़े प्यार से लालन-पालन किया जाता है और एक दिन उनका विवाह होकर वे दूसरों के घर चली जाती है इसलिए उन्हें पराया धन कहा जाता है।

Q.15. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

"भइया, मैं सच कह रही हूँ। जवान बेटियों की तो बड़ी भारी जिम्मेदारी होती है। इनकी शादी हो जाएगी तो तुझे कम-कम-से छुट्टी तो मिल जाएगी। फिर रोहित, वह तो लड़का है उसकी कोई ऐसी बात नहीं है।" बुआजी ने बहुत विश्वास के साथ कहा।

1. वह महिला कौन है और भइया को क्या समझा रही है? [2]

उत्तर : वह महिला मीनू की बुआ है। वह अपने भइया को बेटियों के विवाह का महत्त्व समझा रही है। बुआ के अनुसार बेटियों के शादी हो जाने से माता-पिता को बहुत बड़े कामों से मुक्ति मिल जाती है।

2. किसके विवाह की चिंता कर रही है? [2]

उत्तर : बुआ अपनी भतीजी मीनू और आशा की विवाह की चिंता कर रही है। मीनू और आशा के पिता की तबियत भी खराब खराब रहती थी और ऊपर से अभी तक मीनू और आशा का विवाह भी न हुआ था अत: बुआ इनके विवाह की चिंता कर रही है।

3. हमारे समाज में लड़के के विवाह की अपेक्षा लड़की के विवाह को आज इतना महत्त्व क्यों दिया जाता है? [3]

उत्तर : हमारे समाज में स्त्री को दोयम दर्जे का समझा जाता है। माता-पिता बेटी को एक भार और बोझ समझते हैं। बेटी को पराया धन समझा जाता है। उसके विपरीत बेटे को घर का चिराग और कुलदीपक समझा जाता है। और यही कारण है कि लड़की के विवाह को हमारे समाज में इतना अधिक महत्त्व दिया जाता है। माता-पिता को लगता है कि बेटी के विवाह से उनके सिर से एक बड़ी भारी जिम्मेदारी उतर जाएगी।

4. प्रस्तुत पंक्तियों के अर्थ अपने शब्दों में व्यक्त करो। [3]

उत्तर : प्रस्तुत पंक्तियों का अर्थ यह है कि बेटियाँ माता-पिता की बड़ी जिम्मेदारियाँ होती है। वे उनका विवाह करके ही इस जिम्मेदारी से मुक्त हो सकते हैं।

Q.16. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

दूसरे दिन प्रात: होते ही दयाराम जी के घर में मेहमानों के स्वागत के लिए विभिन्न प्रकार की तैयारियाँ प्रारंभ हो गई थीं। घर की सारी चीजें झाड़-

पोंछकर यथा-स्थान लगा दी गई थीं। एक मध्यम श्रेणी की हैसियत के अनुसार बैठक को विशेष रूप से सुसज्जित किया गया।

1. प्रस्तुत पंक्तियों में कौन किसके घर आ रहा है? [2]

उत्तर : प्रस्तुत पंक्तियों में दयाराम जी के घर उनकी बेटी मीनू को देखने मेरठ से मायाराम जी का परिवार आ रहा है।

2. आनेवाले मेहमान को विशेष महत्त्व क्यों दिया जा रहा है? [2]

उत्तर : दयाराम जी की बेटी मीनू साँवली होने के कारण अभी तक उसे कोई पसंद नहीं कर पाया था लेकिन मेरठ वालों को उसकी फोटो पसंद आ गई थी। अत: सभी को लगता था कि इस बार मीनू का रिश्ता हो ही जाएगा इसीलिए आने वाले मेहमान को महत्त्व दिया जा रहा था।

3. "विभिन्न प्रकार की तैयारियाँ...." विशिष्ट संदर्भ में स्पष्ट कीजिए। [3]

उत्तर : आज भी हमारे यहाँ लड़की वालों के यहाँ रिश्ता लेकर आना उत्सव से कम नहीं होता इसलिए वे अपनी तरफ़ से कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। अपनी हैसियत के मुताबिक या उससे भी बढ़ चढ़ कर मेहमानों को खुश करने का प्रयास करते हैं।

यहाँ पर भी दयाराम जी बेटी मीनू को देखने के संदर्भ में विभिन्न प्रकार की तैयारियाँ का उल्लेख किया गया है।

4. आनेवाले मेहमान से परिवार के लोगों को क्या उम्मीद है? [3]

उत्तर : अभी तक मीनू के रंग-रूप के कारण उसका कहीं रिश्ता नहीं हो पाया था परंतु इस बार मेरठ में रहने वाले मायाराम जी के परिवार वालों को मीनू का फोटो पसंद आ गया था अत: परिवार वालों को इस बार पूरी उम्मीद थी कि इस बार मीनू का रिश्ता पक्का हो ही जाएगा।